विलुप्त मार्खोर बकरी चर्चा में

चर्चा - मारवौर.

Result Mitra

विलुप्त मार्खोर बकरी चर्चा में

चर्चा में क्यों?

- मरखोर, सर्पिल आकार के सींगों वाला एक जंगली बकरा है, जिसे हाल ही में उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के बोनियार के नूरखा गांव में देखा गया है।

नारामुल्ला जिले नुरखा

शर्पिलाकार

कैप्रा फाल्कोनरी

दुनिया की सबसे बड़ी जंगली बकरी है

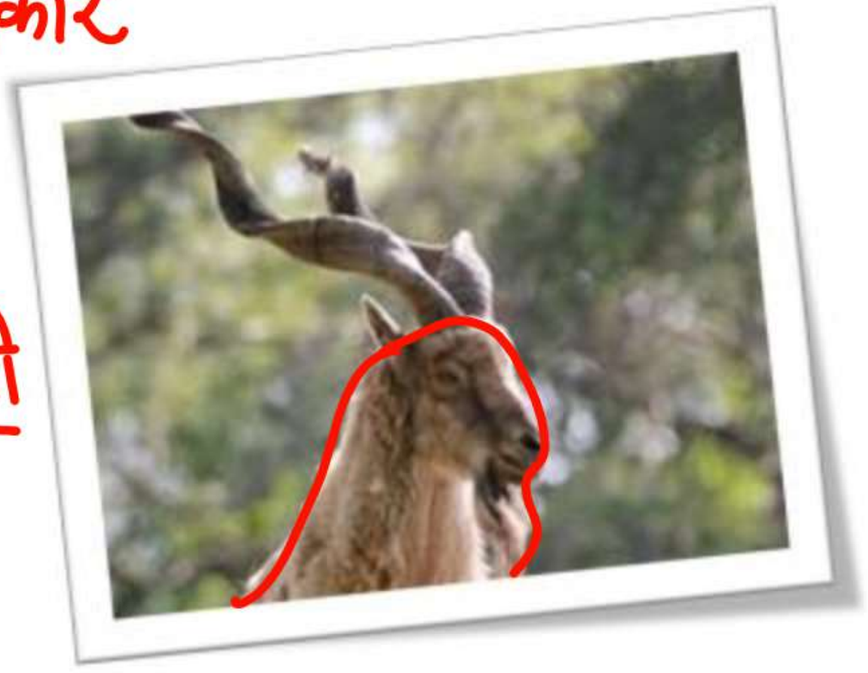

मरखोर के बारे में

- इसे सामान्यत: कैप्रा फाल्कोनेरी के नाम से जाना जाता है।
- यह दुनिया की सबसे बड़ी जंगली बकरी है।
- वैज्ञानिक परिवार: बोविडे (ऑर्डर आर्टियोडैक्टाइला)।

आर्टियोडैक्टाइला → कुल

मरखोर के बारे में

मुख्य विशेषताएं

- मोटा फर और लहराती दाढ़ी।
- विशिष्ट कॉर्कस्क्रू के आकार के सींग।
- व्यवहार: दिनचर, सुबह जल्दी और दोपहर के समय सक्रिय।

Result Mitra

मरखोर के बारे में

वितरण

पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है:

- पाए जाने वाले देश: पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान।
- भारत में (जम्मू-कश्मीर): शोपियां, बनिहाल दर्रा, शम्सबारी क्षेत्र, काजीनाग उरी, और पुंछ में पीर पंजाल रेंज।
- राष्ट्रीय प्रतीक: पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु (जिसे "स्क्रू-हॉर्न बकरी" भी कहा जाता है)।

पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है

Result Mitra

मरखोर के बारे में

Q. भारत में टाइगर मैन ऑफ इंडिया
↳ कैलाश सांखला

संरक्षण स्थिति

रेड डेटा बुक में शामिल

- आईयूसीएन रेड लिस्ट: निकट संकटग्रस्त।
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची ।

विलुप्तप्राय श्रेणी

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972

अनुसूची 1

Water man of India
↳ राजेन्द्र सिंह जी

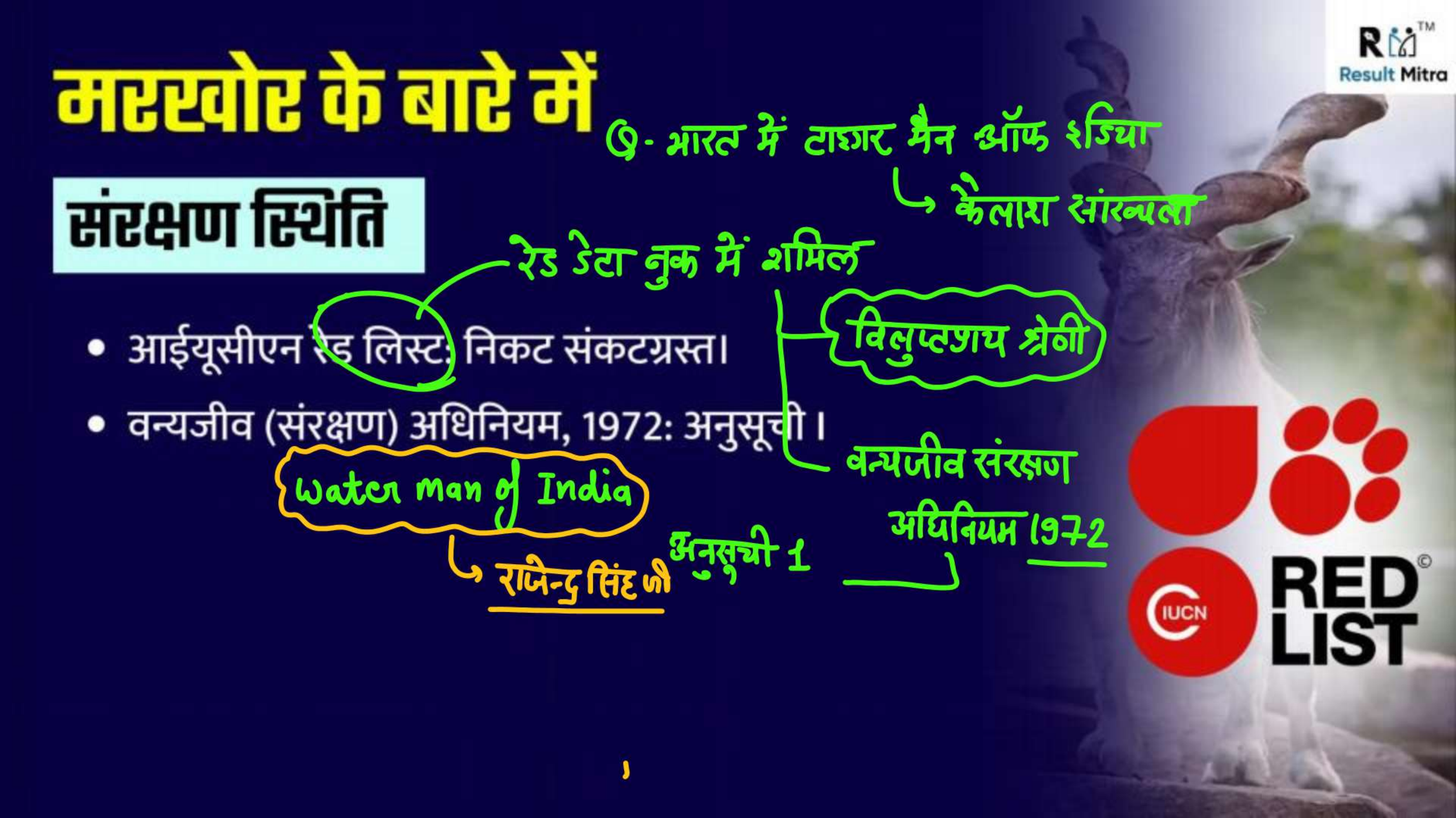

Result Mitra

मरखोर के बारे में

अन्य तथ्य

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसके संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए 24 मई को अंतर्राष्ट्रीय मार्खोर दिवस के रूप में घोषित किया है। यह पहली बार 2024 में मनाया गया।
- भारत सरकार द्वारा इसके संरक्षण के लिए वर्ष 2004 में मार्खोर पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम की शुरुआत की थी।
- भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (डब्ल्यूटीआई) और वन्यजीव विभाग द्वारा इस कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

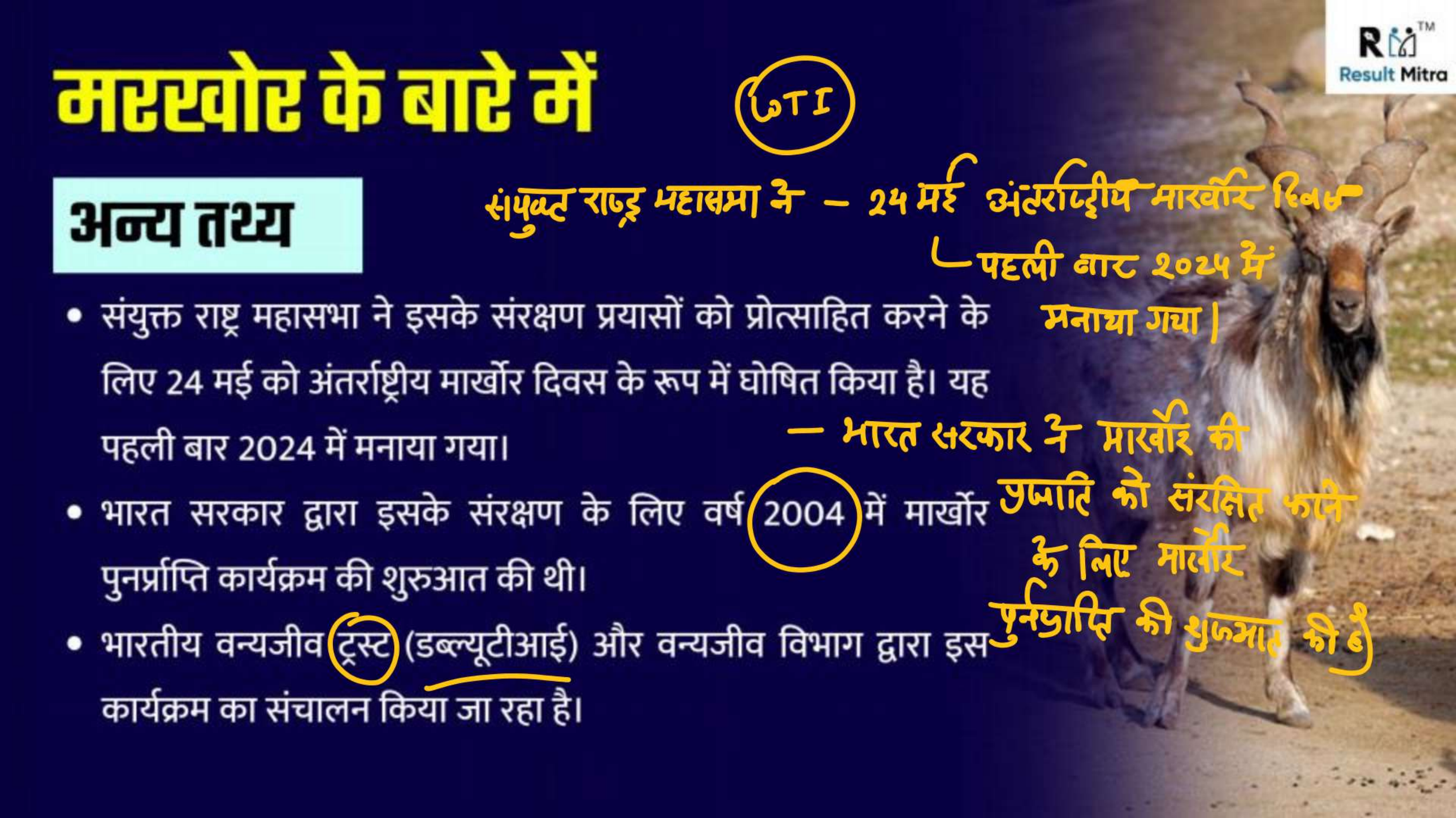

Result Mitra

मरखोर के बारे में

अन्य तथ्य

- आहार: शाकाहारी; सर्दियों में घास, पत्ते, जड़ी-बूटियाँ और लकड़ी वाले पौधे खाता है।
- सामाजिक व्यवहार: नर प्रायः अकेले या छोटे समूहों में रहते हैं, जबकि मादाएं और बच्चे बड़े झुंड बनाते हैं।

Result Mitra

Result Mitra

QUIZ

विलुप्त मार्खोर बकरी के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. इसका वैज्ञानिक नाम कैप्रा फाल्कोनेरी है
2. यह पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है
3. भारत सरकार द्वारा प्रति वर्ष 24 मई को अंतर्राष्ट्रीय मार्खोर दिवस मनाया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही नहीं है

A. केवल 1

B. केवल 2 और 3

C. केवल 3

D. 1, 2 और 3

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत - फ्रांसीसी राज व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन

Daily Current Affairs

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में फ्रांस में एक राजनीतिक घटनाक्रम के तहत 3 महीने पूर्व ही बनी PM मिशेल बार्नियर की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास होने के कारण सरकार गिर गई है।
- अब उन्हें अपनी पूरी कैबिनेट के साथ राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौंपना पड़ेगा।

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

मुख्य बिन्दु

- फ्रांस के 62 साल के इतिहास में यह पहली बार है, जब संसद में अविश्वास प्रस्ताव के पास होने के कारण किसी प्रधानमंत्री को सत्ता गंवानी पड़ रही है।
- संसद में वामपंथी एनएफपी गठबंधन की ओर से पेश अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 331 वोट पड़े, जबकि प्रस्ताव के पास होने के लिए 288 वोट ही काफी थे।

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

मुख्य बिन्दु

- इस घटनाक्रम के बाद 3 महीने पहले ही अपॉइंट किए गए कंजर्वेटिव नेता बार्नियर को अब इस्तीफा देना होगा।
- इस्तीफा के बाद फ्रांस के इतिहास में यह ऐसे प्रधानमंत्री होंगे
- जिन्हे सबसे कम दिनों तक सरकार चलाने वाला प्रधानमंत्री माना जाएगा।

बार्नियर

सबसे कम दिनों तक सरकार चलाने वाला प्रधानमंत्री

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

- गौरतलब है कि फ्रांस की संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली में वर्तमान में किसी भी एक पार्टी के पास बहुमत नहीं है।
- इसमें 3 पार्टियां हैं। मैक्रों का सेंट्रिस्ट अलायंस, वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली।
- वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली फिलहाल विपक्ष में हैं।

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

- ये दोनों आम तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ रहते हैं, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव में दोनों पार्टियां साथ आ गई।
- हाल ही में बार्नियर ने नया बजट पेश किया था। इसमें उन्होंने टैक्स बढ़ाने का फैसला किया।

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

- फ्रांस में आम तौर पर बजट को नेशनल असेंबली में वोटिंग के बाद पास किया जा सकता है, लेकिन बार्नियर ने बजट को बिना वोटिंग के ही पास करवाया और लागू कर दिया।
- इसके विरोध में वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली एकजुट हुए। उन्होंने बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया, जो पास भी हो गया।

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

आगे की स्थिति

इमैनुअल मैंक्रों

- इस घटनाक्रम के बाद राष्ट्रपति मैक्रों को अब नया PM चुनना होगा हालांकि अभी चुनाव संभव नहीं है।
- ऐसा इसलिए क्योंकि फ्रांस के संविधान के मुताबिक फ्रांस में जुलाई 2024 में ही चुनाव हुए थे। ऐसे में जुलाई 2025 तक चुनाव नहीं हो सकते हैं।

फ्रांस में सदन

भारत की तरह फ्रांस में संसद के 2 सदन है

- भारत की तरह फ्रांस में संसद के 2 सदन हैं।
- संसद के उच्च सदन को सीनेट और निचले सदन को नेशनल असेंबली कहा जाता है।
- नेशनल असेंबली के मेंबर को आम जनता, जबकि सीनेट को सदस्यों को नेशनल असेंबली के सदस्य और अधिकारी मिलकर चुनते हैं।

Result Mitra

फ्रांस में सदन

राष्ट्रपति और नेशनल असेम्बली

- फ्रांस में राष्ट्रपति और नेशनल असेंबली के चुनाव अलग-अलग होते हैं।
- ऐसे में अगर किसी पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है तो भी राष्ट्रपति चुनाव में उस पार्टी का लीडर जीत हासिल कर सकता है।
- 2022 के चुनाव में इमैनुएल मैक्रों के साथ भी यही हुआ था।
- वे राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत गए थे, लेकिन नेशनल असेंबली में उनके गठबंधन को बहुमत नहीं मिला था।

Result Mitra

Daily Current Affairs

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

भारत और फ्रांस की राजव्यवस्था: तुलनात्मक अध्ययन

समानताएँ

- 1. लिखित संविधान :
- भारत: संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकार और 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।
- फ्रांस: वर्तमान संविधान 1958 में अपनाया गया। फ्रांस में गणराज्य की स्थापना क्रमशः 1793 (प्रथम), 1848 (द्वितीय), 1875 (तृतीय), और 1946 (चतुर्थ) में हुई।

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

भारत और फ्रांस की राजव्यवस्था: तुलनात्मक अध्ययन

2. मूल आदर्श

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श फ्रांसीसी क्रांति से प्रेरित हैं।

3. संप्रभुता

- दोनों देशों में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान है।

मूल आदर्श

Preamble

F

समान कार्य के लिए समान वेतन

M

समान कार्य

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

भारत और फ्रांस की राजव्यवस्था: तुलनात्मक अध्ययन

4. द्विसदनीय संसद

- भारत: राज्यसभा (उच्च सदन) और लोकसभा (निचला सदन)।
- फ्रांस: सीनेट (उच्च सदन) और नेशनल असेंबली (निचला सदन)।

5. आपातकाल का प्रावधान

- दोनों देशों के संविधान में आपातकालीन परिस्थितियों के लिए प्रावधान दिए गए हैं।

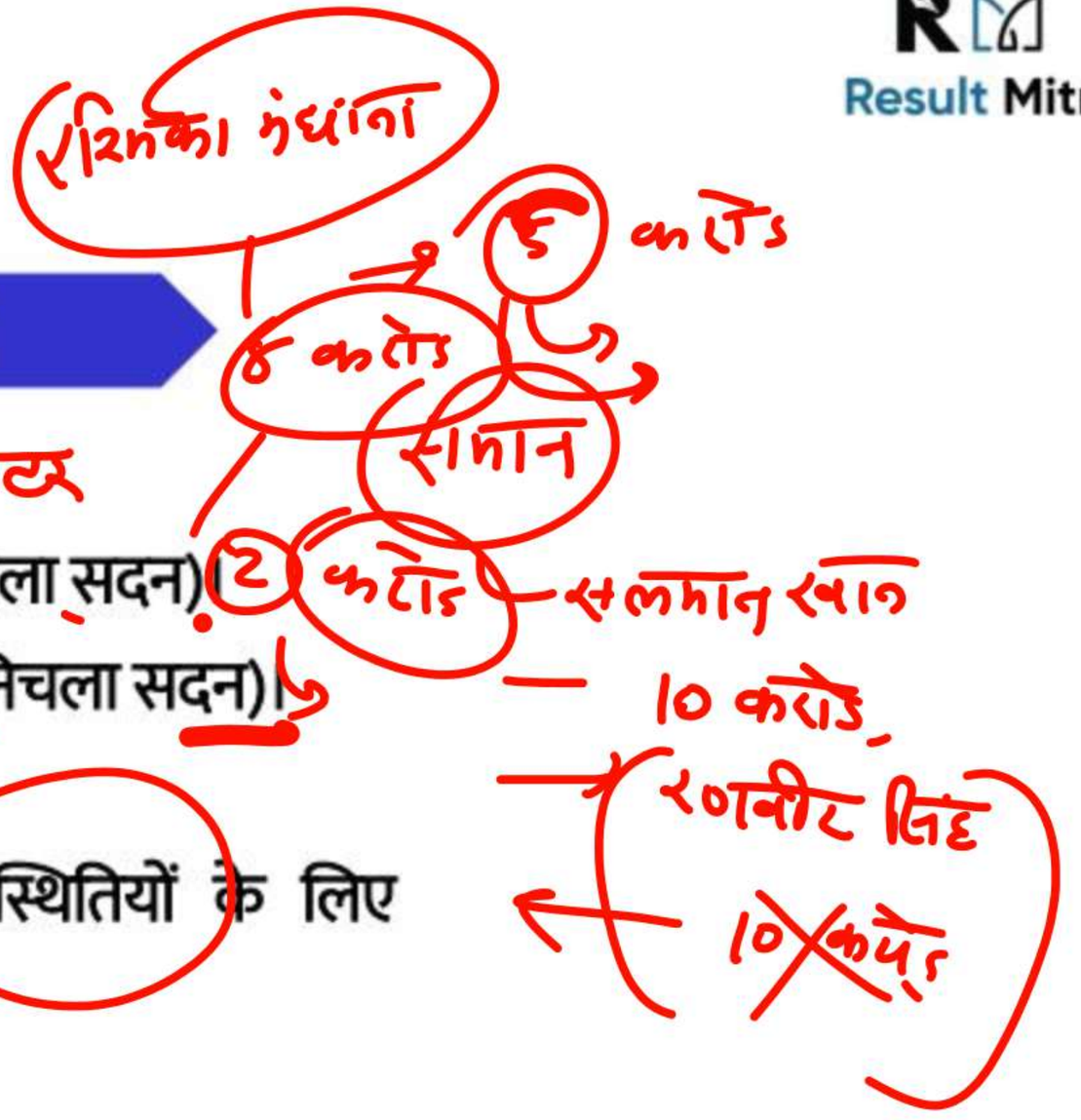

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

भारत और फ्रांस की राजव्यवस्था: तुलनात्मक अध्ययन

असमानताएँ
(राष्ट्रपति का चुनाव और कार्यकाल)

भारत:

- अप्रत्यक्ष चुनाव।
- कार्यकाल: 5 वर्ष (कार्यकाल संख्या पर कोई सीमा नहीं)।

फ्रांस:

- प्रत्यक्ष सार्वभौमिक मताधिकार।
- कार्यकाल: 5 वर्ष (लगातार दो से अधिक कार्यकाल की अनुमति नहीं)।

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

भारत और फ्रांस की राजव्यवस्था: तुलनात्मक अध्ययन

सरकार की संरचना

भारत:

- संसदीय प्रणाली।
- संघीय ढाँचा जिसमें कुछ एकात्मक विशेषताएँ।
- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद।

फ्रांस:

- अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली।
- राष्ट्रपति के पास प्रमुख शक्तियाँ, जो प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद को नियुक्त करते हैं।
- मंत्रियों के कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियाँ राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री तय करते हैं।

Daily Current Affairs

Result Mitra

फ्रांस में अविश्वास प्रस्ताव एवं भारत

भारत और फ्रांस की राजव्यवस्था: तुलनात्मक अध्ययन

न्यायपालिका की संरचना

भारत:

- एकीकृत न्यायिक प्रणाली।
- उच्च न्यायालय के निर्णय निचली अदालतों पर बाध्यकारी।

फ्रांस:

- न्यायपालिका अलग-अलग इकाइयों में विभाजित।
- कानूनी क्षेत्राधिकार (व्यक्तिगत विवाद) और प्रशासनिक क्षेत्राधिकार (नागरिकों व सार्वजनिक प्राधिकरणों के विवाद) अलग हैं।

Result Mitra

QUIZ

हाल ही में किस देश में अविश्वास प्रस्ताव पास हो जाने के कारण प्रधानमंत्री पद से मिशेल बार्निंयर को इस्तीफा देने के लिए विवश होना पड़ा है ?

- **A** अमेरिका
- **B** फ़्रांस
- **C** ऑस्ट्रेलिया
- **D** नीदरलैंड

Result Mitra

अंगामी नागा जनजाति

Daily Current Affairs

Result Mitra

अंगामी नागा जनजाति

चर्चा में क्यों?

फोन्याक जनजाति - 3rd position

- हाल ही में नगालैंड के हॉर्नबिल फेस्टिवल में आयोजित सांस्कृतिक समारोह में अंगामी नागा जनजाति के 1,500 सदस्यों ने भाग लिया, जिसके कारण यह जनजाति चर्चा में आई।

Result Mitra

अंगामी नागा जनजाति

चर्चा में क्यों?

- इसके अतिरिक्त किसामा में नागा हेरिटेज विलेज के मुख्य मैदान में हॉर्नबिल फेस्टिवल के 25वें संस्करण के तहत पारंपरिक नागा शैली की रस्साकशी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में अंगामी जनजाति विजयी हुई और गारो जनजाति ने दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि कोन्याक जनजाति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

Result Mitra

अंगामी नागा जनजाति

चर्चा में क्यों?

- महिला वर्ग में अंगामी जनजाति ने फिर से शीर्ष स्थान प्राप्त किया। संगतम जनजाति ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और कछारी जनजाति तीसरे स्थान पर रही।

Result Mitra

अंगामी नागा जनजाति के सम्बन्ध में प्रमुख तथ्य

1. उत्पत्ति और स्थान

- अंगामी नागा जनजाति मूल रूप से म्यांमार से आई है और यह मुख्य रूप से कोहिमा, नगालैंड में रहती है।
- इसे मणिपुर में भी मान्यता प्राप्त है।

कोहिमा (नागालैंड)
भाषा-तेन्यीडी
म्यांमार - रंगून - मुगलिया सल्तनत के आखिरी बुझते हुए चिराग बहादुर शाह जफर को निर्वासित किया है)
जनजाति - मंगोलाइड

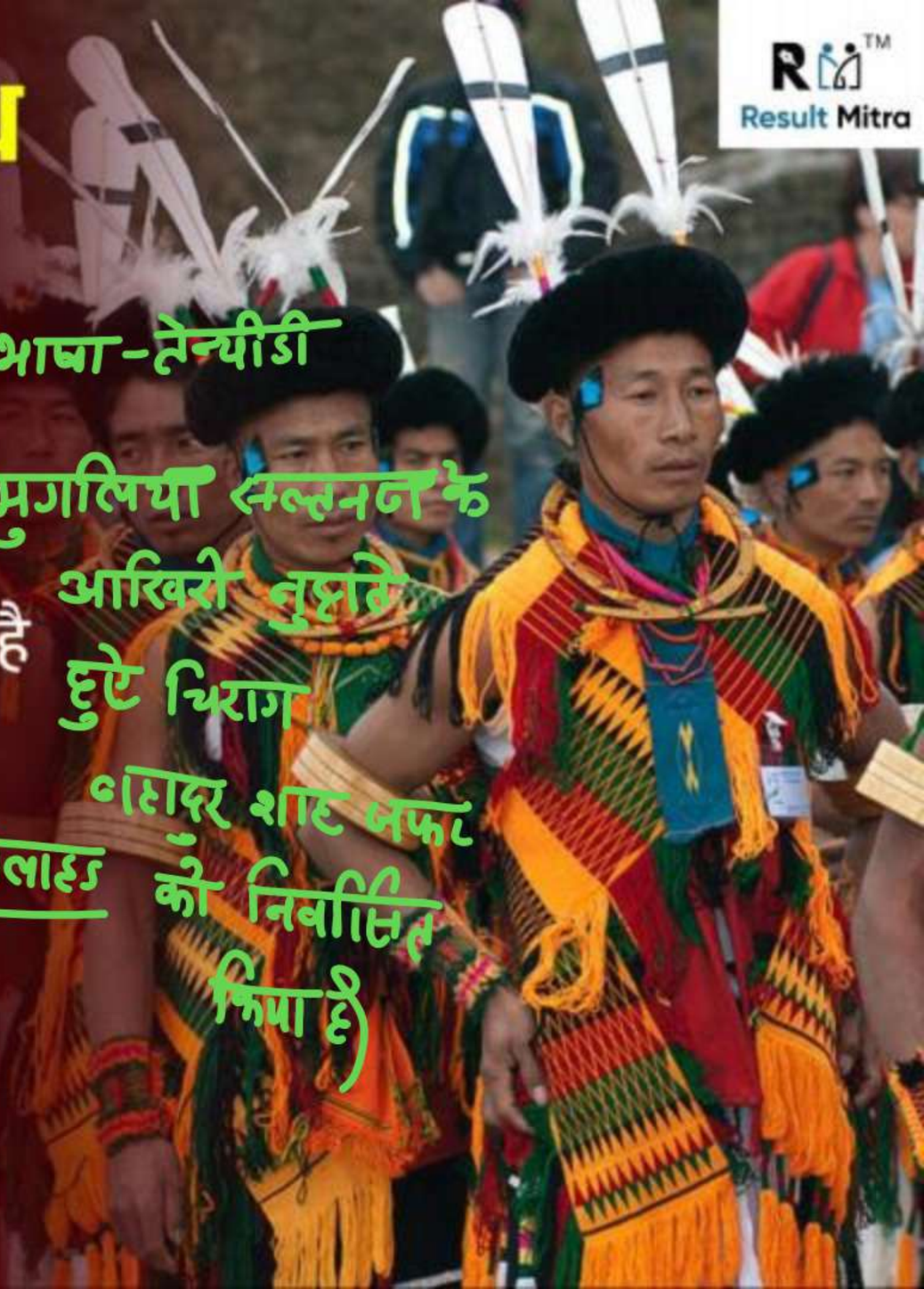

अंगामी नागा जनजाति के सम्बन्ध में प्रमुख तथ्य

2. जाति और भाषा

- यह जनजाति मंगोलॉयड जाति से संबंधित है और तेन्यीडी भाषा बोलती है।
- उनकी प्रमुख बोली नागामीज़ है।

Result Mitra

अंगामी नागा जनजाति के सम्बन्ध में प्रमुख तथ्य

3. व्यवसाय

- अंगामी नागा लोग सीढ़ीदार गीली खेती झूम खेती और पशुपालन में माहिर होते हैं।
- इसके अतिरिक्त, ये लोग बेंत और बांस की टोकरी बनाने में भी प्रवीण हैं।

Result Mitra

अंगामी नागा जनजाति के सम्बन्ध में प्रमुख तथ्य

4. सामाजिक संरचना

- उनका समाज पितृसत्तात्मक और पितृवंशीय है।
- अधिकांश सदस्य ईसाई धर्म का पालन करते हैं और सेक्रेनी त्योहार मनाते हैं।

पितृात्मक

Result Mitra

Result Mitra

QUIZ

अंगामी नागा जनजाति के सम्बन्ध में सही है -

1. यह मूल रूप से म्यांमार की जनजाति है

2. यह जनजाति मंगोलॉयड जाति से संबंधित है और तेन्यीडी भाषा बोलती है।

कूट :

A. केवल 1

B. 1 और 2 दोनों

C. केवल 2

D. न तो 1 न ही 2

Result Mitra

आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक और भारत की प्राचीन जल संचयन प्रणाली

Result Mitra

आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक

चर्चा में क्यों?

कुंबुम

- हाल ही में आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक अपनी प्राचीन जल संचयन प्रणाली और ऐतिहासिक महत्व के कारण चर्चा में रहा। यह टैंक एशिया का दूसरा और विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मानव निर्मित जलाशय है।

कुंबुम टैंक - प्रमुख तथ्य

निर्माण और इतिहास

- निर्माण काल: 1522-1524 ईस्वी
- निर्माता: विजयनगर साम्राज्य की राजकुमारी वरदराजम्मा (रुचिदेवी)।
- विधि: घाटी पर बांध बनाकर जलाशय का निर्माण किया गया, जिससे गुंडलकम्मा और जम्पलेरु नदियाँ प्रवाहित होती हैं।

एशिया का 5वां
विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मानव निर्मित जलाशय है

Result Mitra

कुंबुम टैंक - प्रमुख तथ्य

भौगोलिक विशेषताएँ

- यह जलाशय नल्लामाला की पहाड़ियों से बहने वाली नल्लामल्लावगु धारा से जल प्राप्त करता है।
- यह गुंडलकम्मा नदी तंत्र का हिस्सा है।

Result Mitra

कुंबुम टैंक - प्रमुख तथ्य

तकनीकी विशेषज्ञता

- ब्रिटिश इंजीनियर सर आर्थर कॉटन ने पाया कि बिना पक्के तटबंध के यह टैंक स्थायित्व और प्रभावशीलता का उदाहरण है।
- जलाशय के किनारे मिट्टी की ऊर्ध्वाधर दीवारें इसकी संरचना को मजबूती देती हैं।

Result Mitra

Result Mitra

आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक

पुनरुद्धार के प्रयास

आंध्रप्रदेश सरकार ने जापानी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA) की मदद से टैंक का आधुनिकीकरण किया।

- **भारत की प्राचीन जल संचयन प्रणालियाँ**
  - 1. बावड़ी: राजस्थान, दिल्ली, और गुजरात जैसे क्षेत्रों में सीढ़ीनुमा जल संरचनाएँ।
  - उदाहरण: चाँद बावड़ी (राजस्थान), अग्रसेन की बावड़ी (दिल्ली)।

Result Mitra

आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक

पुनरुद्धार के प्रयास

भारत की प्राचीन जल संचयन प्रणालियाँ

- 2. झालरा: जलाशयों से जल एकत्रित करने के लिए बनाई गई सीढ़ीनुमा संरचनाएँ।
- 3. तालाब/बांधी: बाढ़ प्रबंधन और जल प्रवाह को नियंत्रित करने वाले जलाशय।

Result Mitra

आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक

पुनरुद्धार के प्रयास

भारत की प्राचीन जल संचयन प्रणालियाँ

- 4. टाँका: वर्षा जल संग्रहण के लिए भूमिगत कुएं।
- 5. खड़ीन (धोरा): पहाड़ी ढलानों पर मिट्टी के तटबंध जो कृषि के लिए जल संग्रह करते हैं।

Result Mitra

आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक

ऐतिहासिक संदर्भ

1. सिंधु घाटी सभ्यता:

- धौलावीरा में वर्षा जल संचयन के लिए जलाशय।
- लोथल और इनामगाँव में सिंचाई के लिए छोटे बाँध।

2. मौर्य साम्राज्य:

- सिंचाई प्रणाली का उल्लेख कौटिल्य के अर्थशास्त्र में।
- जल स्रोतों पर कर प्रणाली।

Result Mitra

आंध्रप्रदेश का कुंबुम टैंक

ऐतिहासिक संदर्भ

फिरोजशाह तुगलक

FST

3. चोल काल:

- कुशल जल वितरण के लिए चेन टैंक प्रणाली।

4. मध्यकालीन भारत:

- फिरोज शाह तुगलक और शाहजहाँ ने नहर निर्माण को बढ़ावा दिया।
- विजयनगर साम्राज्य ने अनंतराज सागर जैसे टैंकों का निर्माण किया।

जल संरक्षण से संबंधित भारत की पहल

राष्ट्रीय जल नीति

भारत की राष्ट्रीय जल नीति जल प्रबंधन और उपयोग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने अब तक तीन राष्ट्रीय जल नीतियों को अपनाया है:

- विकास का क्रम
- 1. पहली राष्ट्रीय जल नीति (1987):
- जल को एक सीमित प्राकृतिक संसाधन मानते हुए इसके न्यायसंगत वितरण और उपयोग पर बल।

Result Mitra

जल संरक्षण से संबंधित भारत की पहल

राष्ट्रीय जल नीति

2. दूसरी राष्ट्रीय जल नीति (2002):
   - जल संरक्षण और जल प्रबंधन को प्राथमिकता।
   - जल-गुणवत्ता की निगरानी और प्रदूषण नियंत्रण।
3. तीसरी राष्ट्रीय जल नीति (2012):
   - जल के एकीकृत प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित।

Result Mitra

जल संरक्षण से संबंधित भारत की पहल

राष्ट्रीय जल नीति-2012 के प्रमुख बिंदु

1. एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन (IWRM):
   - नदी बेसिन/उप-बेसिन को जल संसाधन के नियोजन और प्रबंधन की मूल इकाई माना गया।
   - विभिन्न उपयोगकर्ताओं के बीच जल आवंटन में प्राथमिकता।
2. पारिस्थितिकी संरक्षण:
   - नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए एक भाग संरक्षित।
   - गंगा जैसी नदियों में जल स्तर बनाए रखने की सिफारिश, ताकि स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो।

Result Mitra

जल संरक्षण से संबंधित भारत की पहल

राष्ट्रीय जल नीति-2012 के प्रमुख बिंदु

3. अंतर्बेसिन जल स्थानांतरण:

- जल-स्थानांतरण न केवल उत्पादन बढ़ाने, बल्कि मानवीय जरूरतों और सामाजिक न्याय की प्राप्ति के लिए आवश्यक।

4. जल उपयोग का सतत दृष्टिकोण:

- जल को सार्वजनिक संसाधन मानते हुए, जीवन, आजीविका, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास का आधार।
- जल का संरक्षण, पुन: उपयोग और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा।

जल संरक्षण से संबंधित भारत की पहल

राष्ट्रीय जल नीति-2012 के प्रमुख बिंदु

5. जल प्रबंधन में सहभागिता:

- स्थानीय समुदायों, पंचायती राज संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों को शामिल कर जल प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करना।

6. जल-प्रदूषण और गुणवत्ता प्रबंधन:

- प्रदूषण नियंत्रण और पुनः उपयोग के लिए दिशानिर्देश।
- स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना।

Result Mitra

QUIZ

निम्नलिखित में कौन सा सुमेलित नहीं है

A. कुंबुम टैंक - तेलंगाना

B. अग्रसेन की बावड़ी - राजस्थान

C. चाँद बावड़ी - दिल्ली

D. इनमें से कोई नहीं

A. A

B. B

C. C

D. D

Result Mitra

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

चर्चा में क्यों?

- 9 दिसंबर 2024 को रूस के कलिनिनग्राद में आयोजित एक भव्य समारोह में आईएनएस तुशील को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष उपस्थित थे।

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

आईएनएस तुशील: एक परिचय

- आईएनएस तुशील परियोजना 1135.6 का हिस्सा है और उन्नत क्रिवाक III श्रेणी का स्टील्थ फ्रिगेट है।
- यह भारत और रूस के सहयोग का प्रतीक है।

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

आईएनएस तुशील: एक परिचय

मुख्य विशेषताएँ:

- **1. तकनीकी विवरण:**
- जहाज ज़ोर्या नैशप्रोक्ट द्वारा निर्मित इंजन से संचालित है।
- उन्नत गैस टरबाइन प्रणोदन प्रणाली के साथ यह 30 नॉट से अधिक की गति प्राप्त कर सकता है।
- उन्नत पनडुब्बी रोधी और हवाई पूर्व चेतावनी हेलीकॉप्टर, जैसे कामोव 28 और कामोव 31 को संचालित करने में सक्षम।

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

आईएनएस तुशील: एक परिचय

मुख्य विशेषताएँ:

- **2. निर्माण और कमीशनिंग:**
- जहाज की नींव 12 जुलाई 2013 को रखी गई थी।
- इसे अक्टूबर 2021में पानी में उतारा गया और जनवरी 2024 में पहले समुद्री परीक्षण शुरू हुए।
- सभी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर इसे सितंबर 2024 में नौसेना को सौंपा गया।

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

आईएनएस तुशील: एक परिचय

मुख्य विशेषताएँ:

- **3. भारतीय और रूसी सहयोग:**
- अक्टूबर 2016 में भारत और रूस ने चार स्टील्थ फ्रिगेट के निर्माण का समझौता किया।
- इनमें से दो फ्रिगेट रूस में और दो भारत में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाए जा रहे हैं।

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

आईएनएस तुशील: एक परिचय

मुख्य विशेषताएँ:

- **4. श्रृंखला में स्थान:**
- आईएनएस तुशील इस श्रेणी का सातवाँ जहाज है।
- दूसरा फ्रिगेट तमाल 2025 की पहली तिमाही में भारतीय नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है।

Result Mitra

स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील: भारतीय नौसेना में शामिल

आईएनएस तुशील: एक परिचय

मुख्य विशेषताएँ:

- **चुनौतियाँ और निर्माण में देरी**
- कोविड-19 महामारी और यूक्रेन युद्ध के कारण परियोजना में देरी हुई।
- इन बाधाओं के बावजूद, परियोजना को निर्धारित समय में पूरा किया गया।

Result Mitra

QUIZ

उन्नत क्रिवाक III श्रेणी का स्टील्थ फ्रिगेट जिसे हाल ही में रूस में एक समारोह के दौरान भारतीय नौ सेना में शामिल किया है। इसका नाम है?

A. INS तुशील

B. INS बागीर

C. INS ध्रुव

D. INS तरकश

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

चर्चा में क्यों?

- सितंबर 2025 तक भारत के पहले एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र की स्थापना उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में होने की सम्भावना है
- इस उपलब्धि के साथ यह शहर स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन में अग्रणी पक्ति में सम्मिलित हो जायगा।

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

चर्चा में क्यों?

- सहजनवा के सुथनी गांव में स्थित, यह 40 एकड़ की सुविधा कचरा मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एक स्वच्छ अर्थव्यवस्था मॉडल को बढ़ावा देंगी।

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

मुख्य उद्देश्य

1. व्यापक अपशिष्ट प्रसंस्करण:

- यह सुविधा विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों को संसाधित करेगी और उन्हें चारकोल और बायो-सीएनजी जैसे संसाधनों में परिवर्तित करेगी।

2. रोजगार सृजन:

- इस पहल का उद्देश्य स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करना, राजस्व सृजन मॉडल के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

मुख्य उद्देश्य

3. कौशल विकास:

- यह एक शिक्षण केंद्र के रूप में काम करेगा, जो अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण में व्यक्तियों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा।

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

अपशिष्ट श्रेणियों का प्रबंधन

केंद्र विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों को संभालेगा, जिनमें शामिल हैं:

- बायोमेडिकल अपशिष्ट
- ई-अपशिष्ट और बैटरी
- टायर और वाहन स्क्रैप
- प्लास्टिक और खतरनाक घरेलू अपशिष्ट
- औद्योगिक अपशिष्ट और जैविक अपशिष्ट
- टेराकोटा उत्पाद

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

सहयोग और विशेषज्ञता

- इस परियोजना को हैदराबाद स्थित भारतीय प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय का समर्थन प्राप्त है, जो इसकी नवीन विशेषताओं को बढ़ाने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

सहयोग और विशेषज्ञता

- इस मॉडल को विशाखापत्तनम और दिल्ली में प्रदर्शित किया गया है।
- इसे 13 से 15 दिसंबर 2024 तक दिल्ली में राष्ट्रीय मुख्य सचिवों के सम्मेलन में भी प्रस्तुत किया जाएगा।

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

प्रत्याशित प्रभाव

1. सामुदायिक लाभ:

- बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता।
- स्थानीय आबादी के लिए आजीविका के अवसरों में वृद्धि।

Result Mitra

भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र

प्रत्याशित प्रभाव

2. कौशल विकास:

- अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण, कुशल कार्यबल को बढ़ावा देना।

3. सांस्कृतिक बदलाव:

- गोरखपुर और उसके बाहर स्थिरता-संचालित मानसिकता को प्रोत्साहित करना।

Result Mitra

भारत के पहले एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर-सह-शिक्षण केंद्र उत्तर प्रदेश के शहर गोरखपुर में कब तक पूर्ण होने की संभावना है ?

A. वर्ष 2026 तक
B. वर्ष 2025 तक
C. वर्ष 2024 तक
D. वर्ष 2023 तक